DAINIK JAGRAN (JAGRAN CITY), Gurgaon, 2.8.2017
Page No. 3, Size:(8.04)cms X (12.77)cms.

आधार कार्ड ने दिव्यांग को परिजनों से मिलवाया

गुड़गांव, 1 अगस्त (अ): गुड़गांव जिले के सोहना कस्बे का बिछड़ा हुआ मानसिक रूप से दिव्यांग किशोर आधार कार्ड की बदौलत ही परिवार से 2 साल बाद मिल पाया, जबकि परिजन तो उम्मीद ही छोड़ चुके थे कि कभी उससे भेंट हो पाएगी या नहीं। बताया जाता है कि सोहना कस्बे के वार्ड 19 का मानसिक रूप से दिव्यांग रवि 2 साल पूर्व अपने परिजनों से बिछड़ गया था। कहा जाता है कि रवि एक अच्छा खिलाड़ी भी रहा था। घूमते-फिरते वह राजस्थान के अलवर शहर में पहुंच गया। वहां उसे कोई ठिकाना नहीं मिला। अलवर की चाइल्ड लाइन सेल के पदाधिकारियों से उसकी मुलाकात हुई तो उन्होंने उसके बारे में उससे पूछताछ की, लेकिन वह कुछ भी नहीं बता पाया। जिस पर उसे बाल गृह केंद्र में भेज दिया गया। वह 2 साल तक वहीं पर रहा। सरकार के आधार कार्ड बनवाने की अनिवार्यता की घोषणा के चलते रवि का भी आधार कार्ड बनवाने की प्रक्रिया शुरू हुई। बताया जाता है कि जब भी उसका आधार कार्ड बनाने की प्रक्रिया की जाती थी तो उसके शारीरिक अंगों के कारण आधार कार्ड प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाती थी। बाल गृह केंद्र के प्रभारी ने भी हिम्मत नहीं हारी और 5वीं बार रवि को आधार कार्ड बनवाने के लिए ले जाया गया। बताया जाता है कि वहां रवि की आंखों का आधार लिंक करते समय प्रक्रिया बीच में ही रूक गई। जैसे ही प्रक्रिया रुकी तो उसका पहले से बना हुआ आधार कार्ड सामने आ गया। आधार कार्ड बनाने वालों को यह समझते देर नहीं लगी कि रवि का आधार कार्ड उसके परिजनों ने पहले से ही बनवाया हुआ है। आधार कार्ड की डिटेल निकाली गई तो उसमें रवि के घर का पूरा विवरण आ गया। बाल गृह केंद्र के प्रभारियों ने रवि के परिजनों से संपर्क किया। जैसे ही परिजनों को रवि के अलवर में मिलने की सूचना प्राप्त हुई तो परिजनों में खुशी की लहर दौड़ गई और वे बिना समय गंवाए अलवर पहुंच गए।

2 साल पहले घूमते-फिरते पहुंच गया था अलवर